मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

BSKC–106

बी. ए. (ऑनर्स) संस्कृत (बी.ए.एस.के.एच.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2023

बी.एस.के.सी.-106 : काव्यशास्त्र और साहित्यिक आलोचना

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।*

(ii) प्रत्येक प्रश्न के सम्मुख उसके अंक दिये गये हैं।

(iii) हिन्दी या अंग्रेजी या संस्कृत में से किसी एक भाषा में प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

---

1. भरत के 'रससूत्र' का विवेचन कीजिए। 20

अथवा

रूपक के कितने भेद होते हैं ? उनमें से नाटक का विशद विवेचन कीजिए।

2. महाकाव्य का विशद विवेचन कीजिए। 20

अथवा

अभिद्या शक्ति का विशद विवेचन कीजिए।

3. काव्यशास्त्र को काव्यशास्त्र क्यों कहा जाता है ? वर्णन कीजिए। 10

अथवा

मम्मट के काव्य-लक्षण की समीक्षा कीजिए।

4. भट्टलोल्लट क उत्पत्तिवाद का वर्णन कीजिए। 10

अथवा

मम्मट के काव्य-प्रयोजन को समझाइए।

5. निम्नलिखित श्लोक से कौन-सा अलंकार है, लक्षण को बताते हुए स्पष्ट कीजिए : 10

अनङ्गरङ्गप्रतिमं तदङ्ग भङ्गीभिरङ्गीकृतमानताङ्ग्याः।
कुर्वन्ति मूनां सहसा यथैताः स्वान्तानि शान्तापरचिन्तनानि॥

अथवा

अयं मार्तण्डः किं स खलु तुरगैः सप्तभिरितः
कृशानुः किं सर्वाः प्रसरति दिशो नैष नियतम्।
कृतान्तः किं साक्षान्महिषवहनोऽसाविति चिरं
समालोक्याजौ त्वां विदधति विकल्पान् प्रतिभराः॥

6. रूपक अथवा यमक का लक्षण बताते हुए उदाहरण को स्पष्ट कीजिए। 10

7. उपजाति अथवा अनुष्टप छन्द का लक्षण लिखकर उसको उदाहरण श्लोक में समझाइये। 10

8. निम्नलिखित श्लोक में कौन-सा छन्द है, उसका लक्षण बताते हुए स्पष्टीकरण दीजिए : 10

अस्त्युत्तरस्यां दिशि देवतात्मा
हिमालयो नाम नगाधिराजः।
पूर्वापरौ तोयनिधी वगाह्यः
स्थितः पृथिव्या इव मानदण्डः॥

अथवा

अर्थो हि कन्या परकीय एव
तामद्य संप्रेक्ष्य परिग्रहीतः।
जातो ममायं विशदः प्रकामम्
प्रत्यर्पित न्यास इवान्तरात्मा॥